www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 215 | जौनपुर गुरूवार, 26 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

भारतीयों की सुरक्षा, गैस सप्लाई और आत्मनिर्भरता पर सरकार का फोकस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, गैस और ईंधन की उपलब्धता, ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को लेकर पूरी तरह सतर्क है और हर जरूरी कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में बताया कि सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है। अब तक 3.75 लाख से ज्यादा भारतीयों को संघर्ष वाले क्षेत्रों से सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें ईरान से 700 से अधिक मेडिकल छात्र भी शामिल हैं। प्रभावित परिवारों को हर जरूरी मदद और इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया के कई देशों के नेताओं से दो बार बातचीत की है। भारत लगातार खाड़ी देशों, ईरान, इजरायल और अमेरिका के संपर्क में है ताकि क्षेत्र में शांति बहाल हो सके और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सके। भारत ने साफ तौर पर नागरिकों, बुनियादी ढांचे और ऊर्जाध्परिवहन सिस्टम पर हमलों का विरोध किया है और सभी पक्षों से शांतिपूर्ण समाधान की अपील की है। सरकार ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। घरेलू एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है और पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं है। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण घबराहट में खरीदारी हुई, लेकिन सरकार ने इन अफवाहों को गलत बताया है। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि कच्चा तेल और एलपीजी लेकर आने वाले जहाज लगातार भारत पहुंच रहे हैं और सप्लाई बनाए रखने के लिए बैकअप प्लान भी तैयार किए गए हैं। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत ने अपने तेल और गैस आयात के स्रोत 27 से बढ़ाकर 41 देशों तक कर दिए हैं। इसके अलावा, 53 लाख टन से ज्यादा का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाया गया है, जिसे 65 लाख टन तक बढ़ाने की योजना है।

किसान देश के भाग्य विधाता, बुंदेलखंड से कोई किसान नहीं करेगा पलायन : सीएम मोहन यादव

दतिया, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दतिया जिले को विकास की सौगात देते हुए कहा है कि बुंदेलखंड इलाका बदल रहा है, सिंचाई क्षमता बढ़ रही है, और अब यहां का कोई भी किसान पलायन नहीं करेगा। सीएम मोहन यादव ने राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में दतिया को 62.23 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देते हुए कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई का रकबा कभी साढ़े 7 लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। पिछले 2 साल में सिंचित भूमि का रकबा लगभग दस लाख हैक्टेयर बढ़ गया है। केन–बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से बुंदेलखंड अंचल और आसपास के जिलों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा।उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश को नदी जोड़ो परियोजना की महत्वपूर्ण सौगात दी है, जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को भी मिलेगा। अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान पलायन करने को विवश नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं है, जहां संकट आया हो और प्रधानमंत्री मोदी की पहल से भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित न की गई हो।सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है।

संक्षिप्त खबरें

पलानीस्वामी का प्रचार अभियान शुरू

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होने वाले हैं, जिसके चलते राज्यभर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। डीएमके और एआईएडीएमके दोनों ही अपने–अपने गठबंधनों के अंदर सीट बंटवारे में जुटे हुए हैं। एआईएडीएमके के महासचिव व तमिलनाडु के पूर्व सीएम एडप्पाडी के. पलानीस्वामी बुधवार से राज्यव्यापी चुनाव प्रचार दौरे की शुरुआत करने वाले हैं, जो सत्ता में वापसी के लिए पार्टी के प्रयासों का संकेत है। एआईएडीएमके मुख्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पलानीस्वामी 25 मार्च से 1 अप्रैल तक चुनाव प्रचार अभियान चलाएंगे, जिसमें वे अपनी पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं का समर्थन मजबूत करना और महत्वपूर्ण चुनावी मुकाबले से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरना है। इस अभियान की शुरुआत चेन्नई से होगी जहां पलानीस्वामी बुधवार दोपहर 3रू30 बजे मायलापुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।पार्टी सूत्रों ने कहा कि चेन्नई से चुनाव प्रचार अभियान शुरू करना शहरी निर्वाचन क्षेत्रों के रणनीतिक महत्व को उजागर करता है, जहां सत्तारूढ़ डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके दोनों को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है।

अखिलेश यादव के बढ़ते जनाधार से भाजपा बौखला गई है– रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ सपा के वरिष्ठ नेता रविदास मेहरोत्रा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव का जनाधार लगातार बढ़ रहा है, जिससे भाजपा और कुछ नेता घबरा हुए हैं। सपा नेता का यह बयान उस वक्त सामने आया है जब फिल्म श्धुरंधर–2श को लेकर विधायक पूजा पाल ने दावा किया कि फिल्म ने माफिया गैंगस्टर अतीक अहमद और समाजवादी पार्टी की सच्चाई को सबके सामने रख दिया है।पूजा पाल के बयान पर सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ध्ने कहा कि पूजा पाल समाजवादी पार्टी के वोटों से विधायक बनीं। उनमें जरा सी भी नैतिकता बची है तो पद से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें। इसके बाद वे सपा के खिलाफ कोई बयान दें।सपा नेता ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति लोगों का समर्थन लगातार बढ़ रहा है, यही वजह है कि भाजपा और कुछ नेता घबराए हुए हैं। बता दें कि पूजा पाल ने धुरंधर–2 का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि फिल्म ने समाजवादी पार्टी और अतीक अहमद के बीच के संबंधों की सच्चाई को उजागर किया। अतीक अहमद सपा के संरक्षण में रहकर एक दीमक की तरह देश को भीतर से खोखला कर रहा था।

देश समान कानून से चले, ये हमारा संकल्प : अमित शाह

गुजरात, (एजेंसी)। उत्तराखंड के बाद एक और भाजपा शासित राज्य गुजरात में बुधवार को समान नागरिक संहिता विधेयक पारित हो गया है। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताते हुए कहा कि देश सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह भाजपा का स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।" उन्होंने आगे लिखा, "मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस बिल को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं।" गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में फिर से कहा, "देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है।" गुजरात विधानसभा ने मंगलवार को सात घंटे से अधिक समय चली बहस के बाद यूसीसी विधेयक को पास किया।

वैश्विक संकट के बीच कृषि तैयारियों पर सरकार का फोकस, शिवराज चौहान की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय कृषि क्षेत्र और किसानों के हितों की रक्षा के लिए बुधवार को अपने आवास पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य आगामी खरीफ सीजन के लिए रणनीतिक तैयारी सुनिश्चित करना था। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संकट के समय सक्रिय और सतर्क भूमिका निभानी होगी, ताकि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। केंद्रीय मंत्री ने उर्वरकों (फर्टिलाइजर) की न्यायसंगत और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को 'फार्मर आईडी' के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि वितरण प्रणाली पारदर्शी और प्रभावी बन सके। साथ ही, उन्होंने जल्द ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कृषि मंत्रियों के साथ बैठक करने की भी बात कही। वैश्विक संकट का फायदा उठाकर खाद और बीजों की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य सरकारों को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में बीज सुखाने के लिए आवश्यक गैस और एग्रो–केमिकल्स की उपलब्धता की समीक्षा की गई। कृषि मंत्री ने कहा कि वैश्विक संकट के दौरान पैकेजिंग सामग्री, खासकर दूध और अन्य कृषि उत्पादों के लिए, किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए पेट्रोलियम मंत्रालय और संबंधित विभागों के साथ समन्वय के निर्देश दिए गए। कृषि क्षेत्र की सतत निगरानी के लिए एक 'विशेष सेल' का गठन किया गया है। यह सेल खाद, बीज और कीटनाशकों की उपलब्धता पर साप्ताहिक रिपोर्ट केंद्रीय मंत्री को सौंपेगा, जिससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। बैठक के अंत में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार किसानों को हर संभव संसाधन समय पर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के राजदूत से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में ईरान के राजदूत से मुलाकात की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा केंद्रित रही। मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडध्यि प्ध्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, "मंगलवार दोपहर भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली से मुलाकात की। पश्चिम एशिया के संघर्ष पर चर्चा की। इन चुनौतीपूर्ण समय में ईरान में भारतीयों को दिए गए समर्थन की सराहना करता हूं।" वहीं, पिछले सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत की थी, जिसमें क्षेत्रीय घटनाक्रम और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेजेश्कियन को ईद और नवरोज के शुभ अवसरों पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव का समय पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों की निंदा की और कहा कि ऐसे कदम क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को खुले और सुरक्षित बनाए रखने के महत्व को दोहराया। उन्होंने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ईरान के निरंतर सहयोग की सराहना भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडध्यि प्ध्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बात की और ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं। हमने आशा व्यक्त की कि यह त्योहार पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा। क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री मार्गों को खुले और सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया। ईरान में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ईशन के सहयोग की सराहना की।" आपको बता दें कल पीएम मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न स्थिति पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि तीन सप्ताह से अधिक समय से चल रहा ।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा

राजस्थान, (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (सेवा तीर्थ) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।" इस दौरान राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम मोदी ने मां दुर्गा की प्रतिमा भी भेंट की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर प्रदेश के विकास एवं जन–कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। पीएम मोदी से मुलाकात के सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा, "आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर राजस्थान के सर्वांगीण विकास एवं जन–कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनकी दूरदर्शी सोच और स्पष्ट दिशा–निर्देश हमें एक समृद्ध राजस्थान के निर्माण की राह दिखाते हैं।" उन्होंने आगे लिखा, "प्रधानमंत्री जी का राजस्थान की जनता के प्रति अटूट स्नेह और उनका दूरदर्शी मार्गदर्शन ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसके संबल से राजस्थान आज विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है, और इसी प्रेरणा से विकसित राजस्थान का संकल्प पूर्ण करते हुए प्रदेश का हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा।" सीएम भजनलाल शर्मा ने चौत्र नवरात्र के सातवें दिन देशवासियों की शुभकामनाएं देते हुए।

तेजस्वी यादव ने अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर निशांत कुमार की आलोचना की

पटना, (एजेंसी)। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है और पिछले दो दशकों में अपराध में भारी वृद्धि का आरोप लगाया है। निशांत कुमार की हालिया टिप्पणियों को निशाना बनाते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार में 2005 से 2025 के बीच अपराध में काफी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि संगठित अपराध और गुंडागर्दी व्यापक रूप से फैल गई है और स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।उन्होंने मंगलवार को पटना में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा, ष्मैंने इस मुद्दे पर विस्तृत आंकड़े राज्य विधानसभा में पहले ही प्रस्तुत कर दिए हैं।ष सम्राट चौधरी मॉडल की बहुचर्चित चर्चा को खारिज करते हुए तेजस्वी ने सम्राट चौधरी पर निशाना साधा और कहा कि ऐसा कोई भी राजनीतिक मॉडल जनता को प्रभावित नहीं करेगा। राजनीतिक विश्लेषण सेवा उनके अनुसार, लोग गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहे हैं और मौजूदा सरकार से उनका मोहभंग बढ़ता जा रहा है। उन्होंने हाल ही में हुई ओलावृष्टि और तूफानों के बाद किसानों की दुर्दशा पर भी प्रकाश डाला और दावा किया कि फसलों को भारी नुकसान हुआ है जबकि सरकार समय पर राहत प्रदान करने में विफल रही है।तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों के लिए तत्काल मुआवजे की मांग की है। जनता दल (यूनाइटेड) में निशांत कुमार के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और इसे पार्टी का आंतरिक मामला बताया।तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि बिहार के लोग भय और संकट के माहौल में जी रहे हैं, जहां बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार ने आम आदमी को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जनता कुशासन के खिलाफ कड़ा और निर्णायक जवाब देगी।

को–ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर बड़ा ऐलान, तीन साल तक मिलेगी टैक्स छूट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार की ओर से बुधवार को को–ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर बड़ा ऐलान किया गया। अब नेशनल को–ऑपरेटिव फेडरेशन से आने वाली डिविडेंड आय पर तीन साल की टैक्स छूट मिलेगी। इस कदम का उद्देश्य देश के छोटे को–ऑपरेटिव को मजबूत करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि इस टैक्स छूट का उद्देश्य को–ऑपरेटिव में कम हिस्सेदारी वाले सदस्यों को प्रोत्साहन देना है, जिससे अधिक संख्या में लोग को–ऑपरेटिव से जुड़े। वित्त मंत्री ने कहा कि को–ऑपरेटिव, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और किसान मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। फाइनेंस बिल पर चर्चा के दौरान बोलते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि समावेशी विकास के लिए लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और को–ऑपरेटिव को सशक्त बनाना आवश्यक है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, "ये क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, और विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में रोजगार सृजन में सहायक हैं।" वित्त मंत्री ने फाइनेंस बिल में डेटा सेंटर सेवाओं से संबंधित एक नए प्रावधान के बारे में भी बताया। वित्त मंत्री के मुताबिक, सेफ हार्बर नियम के तहत, संबंधित विदेशी संस्थाओं को ऐसी सेवाएं प्रदान करने वाली भारतीय कंपनियों को लागत पर 15 प्रतिशत का मार्जिन मिलेगा। सीतारमण ने कहा, "इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत में परिचालन वास्तविक और लाभदायक बना रहे, साथ ही वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि के बिना फर्जी संस्थाओं के निर्माण को रोका जा सकेगा।" सरकारी वित्त को लेकर उठ रही चिंताओं को दूर करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ मामलों में केंद्र ने उपकर और अधिभार के रूप में एकत्र की गई राशि से अधिक खर्च किया है, जो दर्शाता है कि निधियों का उपयोग जन कल्याण के लिए किया जा रहा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने आगे घोषणा की कि तकनीकी चूक के लिए लगने वाले जुर्माने को अब निश्चित शुल्क में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

संपादकीय

गैस संकट के अभी शुरुआती दिन

पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। रसोई गैस के लिए हाहाकार मच गया है। जगह–जगह से सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारों की खबरें मिल रही हैं। ये हाल तब है, जबकि सरकार ने एलपीजी की 80–85 फीसदी सप्लाई औद्योगिक क्षेत्र से घरेलू उपयोग के लिए भेजने का निर्णय लिया है। कॉमर्शियल उपयोग के लिए गैस की सप्लाई काफी हद तक बाधित हो चुकी है। गौरतलब है कि अभी संकट के शुरुआती दिन हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। अब यह सामने आया है कि चूंकि गैस का भंडारण मंहगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार सप्लाई पर ही निर्भर बनाए रखा। अब चूंकि मुश्किल आ खड़ी हुई है, तो सरकार आपातकालीन निर्णय लेने को मजूबर है। उसने ऐसे लिए हैं, जिनसे घरेल उपभोक्ताओं को अधिकतम राहत मिल सके। यह सही, मगर समस्याग्रस्त प्राथमिकता है। आखिर श्रमिक वर्ग के लोग फैक्टरियों या कार्यस्थलों पर कैंटीन या ढाबों में भोजन करते हैं। लाइन होटल ट्रक एवं बस ड्राइवरों और अन्य लंबी दूरी के यात्रियों के खाना खाने की जगहें हैं। फिर अनगिनत लोग रोज कामकाज के सिलसिले में यात्राओं पर जाते हैं, जो रेस्तरां या होटलों में ही भोजन करते हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि अनेक शहरों से रेस्तरां और होटलों में मेनू की कटौती हो रही है और कुछ रोज में उनके बंद हो जाने की चेतावनी दी गई है। रेस्तरां और क्लाउड किचन पर लाखों कर्मचारी एवं होम फूड डिलीवरी से जुड़े गिग वर्कर निर्भर हैं। उधर औद्योगिक गैस की कटौती से कल–कारखाने बंद हुए, तो उसका असर लाखों नौकरीशुदा लोगों पर पड़ेगा। उत्पादन, वितरण, एवं उपभोग में गिरावट से अर्थव्यवस्था पर होने वाला दूरगामी असर अलग है। तो कुल मिलाकर देश एक बड़ी मुश्किल में फंसता नजर आ रहा है। इसके मद्देनजर क्या यह कहना काफी होगा कि युद्ध होता है, तो दिक्कत होती है? या एहतियाती कदम ना उठाने के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

अदूरदर्शी सरकार होने का खामियाजा

इरतिजा निशात का लिखा ये शेर आज भारत के हुक्मरानों को बतौर नसीहत सुनाया जा सकता है। या तो नरेन्द्र मोदी और उनके तमाम सिपहसालार देश और दुनिया की वास्तविकताओं से अनभिज्ञ हैं या उन्हें किसी गड़बड़ी का भान तभी होता है, जब पानी सिर के ऊपर से निकल जाए। 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने के बाद मध्यपूर्व में एक बड़ी जंग शुरु हो गई थी, जिस की आंच भारत पर भी पड़ रही थी। तब 12 मार्च को राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संघर्ष के कारण देश एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है और इसके बावजूद प्रधानमंत्री लोकसभा में आकर इस मुद्दे पर बोलना नहीं चाहते। उन्होंने आरोप लगाया कि श्अमेरिका में अडानी पर आरोप तय होने और एपस्टीन फाइल्स के चलते प्रधानमंत्री मोदी घबराहट में हैं।श्एपस्टीन और अडानी का नाम आते ही राहुल गांधी के भाषण में हंगामा शुरु हो गया और जब उन्होंने एलपीजी संकट पर बोलने की कोशिश की तो उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा था कि, श्मैंने देश में एलपीजी गैस और तेल की स्थिति पर बयान देने की अनुमति मांगी। लेकिन अब एक नई प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें पहले मंत्री तय करेंगे, फिर मैं बोलूंगा, उसके बाद मंत्री जवाब देंगे। असल बात यह है कि ईंधन एक बड़ी समस्या बनने वाला है, क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ा है। गलत विदेश नीति ने यह स्थिति पैदा की है। अब हमें तैयारी करनी होगी। हमारे पास अभी थोड़ा समय है। सरकार और प्रधानमंत्री को तुरंत तैयारी शुरू करनी चाहिए, वरना करोड़ों लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।श उन्होंने ये भी कहा था कि, श्यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है। मुझे साफ दिखाई दे रहा है कि एक बड़ी समस्या आने वाली है। समस्या यह है कि प्रधानमंत्री देश के प्रधानमंत्री की तरह काम नहीं कर पा रहे हैं। इसके पीछे एक वजह है, वह फंसे हुए हैं। फिर भी उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लोग सुरक्षित रहें और हमारी ऊर्जा सुरक्षा हमारे नियंत्रण में रहे।श्राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा ने उन पर हमला बोला था कि वे बेवजह घबराहट फैला रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री मोदी उन दिनों तमिलनाडु और केरलम में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे और उन्होंने कहा था कि कहीं कोई संकट नहीं है और विपक्ष अफवाहें फैला रहा है। यह वैसा ही बयान था, जैसा कोरोना संकट के वक्त दिया गया था या उससे पहले गलवान पर हमले के वक्त कहा था कि कोई नहीं आया है। अगर प्रधानमंत्री को संदेह का लाभ दिया जाए तब भी यही समझ आता है कि उन्हें जब तक अहसास होता है कि कहीं कोई बड़ी समस्या खड़ी हो चुकी है, तब तक करोड़ों लोग उससे प्रभावित हो चुके होते हैं। इसलिए अगर प्रधानमंत्री से देश नहीं संभल रहा है, तो देशभक्ति की खातिर ही किसी सुपात्र को इस पद की जिम्मेदारी सौंप दें। लेकिन इस वक्त तो समूची भाजपा केवल प्रधानमंत्री के दिखाए को ही देख रही है, वो जो सुनाएं उसे सुन रही है। अपनी तर्कक्षमता और विवेक का इस्तेमाल करने वाले देश की सबसे बड़ी पार्टी में लगता है, हैं ही नहीं। भाजपा इसे भले अनुशासन माने, लेकिन असल में यह चाटुकारिता है कि प्रधानमंत्री को सही सलाह नहीं दे कर, केवल हां में हां मिलाया जा रहा है।तभी तो केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने सदन में कहा था कि हमारी रिफाइनरियां उच्च क्षमता उपयोग के साथ काम कर रही हैं। कई मामलों में यह 100 प्रतिशत से भी अधिक पर चल रही हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, एटीएफ या फ्यूल ऑयल की कोई कमी नहीं है। अगर 12–13 मार्च तक सरकार को कोई कमी महसूस नहीं हुई तो क्या सड़कों पर कतार में खाली सिलेंडर लेकर खड़े लोग भी दिखाए नहीं दिए। और अब प्रधानमंत्री क्यों यह कह रहे हैं कि पश्चिम एशिया का संकट भारत के लिए चिंता का कारण है। सोमवार को लोकसभा में दिए अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा था कि इस संकट का सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा। और फिर मंगलवार को उन्होंने फिर कहा कि अगर यह जंग जारी रही, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, श्भारत हर सेक्टर में यह प्रयास कर रहा है कि किसी भी सेक्टर में दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भरता न हो।श यानी आत्मनिर्भर बनाने के दावे कम से कम दस साल से हो रहे हैं और अब कहा जा रहा है कि हम प्रयास कर रहे हैं।वहीं जिस समस्या को राहुल गांधी ने 12 मार्च को संसद से बताया था, उस पर 12 दिन बाद राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। हम सभी संभव स्रोतों से गैस, कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, आने वाले दिनों में प्रयास जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है।

धर्म और जाति को लेकर आए सुप्रीम आदेश के राजनीतिक–सामाजिक मायने

कमलेश

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससीध्ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने गत 23–24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससीध् एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससीध्एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं। इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाईध् मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसीध्एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने–सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है। जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससीध्ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदूधसिखध्बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाईध् मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलितध्ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा

और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मो में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं। इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर ैैब दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति–आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का साररू इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27: आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50: कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक–शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए। हालिया फैसले से संबंधरू 2026 के एससीध्एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है।

अनुसूचित जाति आरक्षण- जनजातीय बिना अधूरा है पर अच्छा है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

प्रवीण

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशतः मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (ैब) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक–धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है। यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था – "एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है।" भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न–भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज अपने लाभ के लिए भाले–भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अतः जातिगत भेद–विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय ध् दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत् मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है। भारतीय समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। अधिकांश धर्म परिवर्तन के मामलों में यह देखा गया है कि गरीब और वंचित वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रभावित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। मतांतरण के पीछे केवल और केवल दुराशय ही होते हैं। यह और कुछ नहीं अपितु भारत में जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ कर अपनी संख्या बढ़ाने समाज, सत्ता, व्यवस्था को मजहबी कानून से चलाने का एक षड्यंत्र है। लोकतंत्र में संख्या बल ही सत्ता को निर्धारित, नियंत्रित व नियमित करता है। धर्मांतरण कुचक्र का लक्ष्य अपनी संख्या बढ़ाने और टेक्टिकल वोटिंग के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में हावी होने का रहता है। इस विषय में यह भी ध्यान देना चाहिए कि दो कथित धर्म की मूल व्याख्याओं में ही अपनी संख्या को येन केन प्रकारेण बढ़ाने का मूल लक्ष्य सम्मिलित है। यह एक प्रामाणिक तथ्य है जिसे हम इनकी मजहबी किताबों में सरलता दे देख सकते हैं। यहीं से मतांतरण एक राष्ट्र विरोधी कार्य बन जाता है। भारत में ईसाईयत एवं इस्लाम की विस्तारवादी दुष्प्रवृत्ति मतांतरण का प्रमुख कारण है। ईसाईयत एवं इस्लाम दुष्प्रवृत्ति ने भारत के जातीय वर्गीकरण में असंतोष, भेद, विभेद, मतभेद, दूरियों के बीज बोए और सत्ता हथियाकर भारतीय धन–संपदा, संसाधनों को भरपूर लूटा है। सर्वविदित है कि भारत में निर्धन वर्ग को व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के बंधुओं को लक्ष्य बनाकर ईसाई व मुस्लिम संस्थानों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह धर्मांतरण लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि जैसे आपराधिक तरीकों से कराया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, कुछ सुविधाएँ, आदि देने के नाम पर बलात् मतांतरण के लाखों मामले देश के वायुमंडल में विष घोलते रहे हैं। डरा–धमकाकर, बहला–फुसलाकर भारतीय ग्रामीणों भी मतांतरण कराए जाने के लाखों मामले प्रतिवर्ष समाज में आते रहे हैं। इस प्रकार के मामले सामने आने पर देश में अनेक बार सामाजिक शांति, सौहाद्र, सद्भाव बिगड़ता है व कानून व्यवस्था भंग होती है। मतांतरण के कारण देश में झगड़े, दंगे, बवाल होते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आरक्षण का लाभ समाप्त होने के भय से मतांतरण की गति कम होगी। स्वाभाविक ही है कि धर्म परिवर्तन के साथ व्यक्ति का सामाजिक नेटवर्क, संस्थागत समर्थन और जीवनशैली बदल सकती है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या वह पहले जैसी सामाजिक वंचना का सामना कर रहा है या नहीं? इस निर्णय का स्वागत समूचा देश कर रहा है किंतु इसमें अभी कुछ और सुधार होना शेष है।ैब के साथ–साथ यह नियम ैज पर भी लागू होना चाहिए था। देश का जनजातीय समाज भी इन विदेशी व आयातित धर्मों के दुश्चक्र का बड़ा शिकार रहा है। देश का इतिहास साक्षी है कि वनवासी समाज को बड़ी मात्रा में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक लालच, लव जिहाद, लैंड जिहाद, डरा–धमकाकर मतांतरण के कुएँ में धकेला जाता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय को इस वन्दनीय निर्णय के आलोक में जनजातीय आरक्षण, मतांतरण आदि का अध्ययन करके स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिए। यदि शीर्ष न्यायालय ऐसा करता है तो देश में आरक्षण का लाभ केवल उन लोगों तक पहुंचेगा जो वास्तव में उसी सामाजिक परिस्थिति में हैं जिसके लिए नीति बनाई गई थी। अन्यथा तो आरक्षण कानून के दुरुपयोग के उदाहरणों के बड़े आकार के नित नए शूलनुमा पहाड़ देश में और भी खड़े होते ही रहेंगे।

किसानों की टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव नियंत्रण से जोड़ रहा एक सार्थक प्रयास

भारत डोगरा किसानों की टिकाऊ, आजीविका, रक्षा को जलवायु बदलाव नियंत्रण से जोड़ रहा एक सार्थक प्रयास। इस तरह जो रचनात्मक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, वे जलवायु बदलाव पर नियंत्रण के संदर्भ में भी सार्थक है। जो किसान अपना खर्च कम कर रहे हैं, मिश्रित खेती अपना रहे हैं, जिनके गांवों में जल व मिट्टी संरक्षण हो रहा है वे सब जलवायु बदलाव के उतार–चढ़ाव का सामना करने में भी अधिक सक्षम हो रहे हैं। इन गांवों में रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं का उपयोग भी कम हो रहा है।देश के अधिकतम किसान छोटे किसान हैं जो अन्य समस्याओं के साथ मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों को भी झेल रहे हैं। यदि उनकी टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव के नियंत्रण से भी जोड़ा जा सके, तो यह एक बहुत सार्थक पहल होगी। महोबा जिले (उत्तर प्रदेश) के जैतपुर प्रखंड के 50 गांवों में ऐसा ही एक प्रयास लगभग दो वर्षों से सृजन संस्था द्वारा हो रहा है जिसे एच.एफ.डी.सी. के श्परिवर्तनश प्रयास से सहयोग मिल रहा है।इस प्रयास की बुनियाद में दो प्रमुख सोच हैं। पहली सोच यह है कि यदि जल व मिट्टी संरक्षण, वृक्षारोपण आदि के पर्यावरण रक्षा के प्रयास से ग्रामीण पर्यावरण में बेहतर सुधार कर लिया जाए तो इससे किसानों की टिकाऊ आजीविका की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। तिस पर यदि प्राकृतिक खेती को फल व सब्जी के छोटे–छोटे बगीचों व आत्म–निर्भरता के तौर–तरीकों से आगे बढ़ाया जाए, तो किसानों का खर्च कम करने व स्वस्थ व अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद प्राप्त करने के उद्देश्य भी साथ–साथ प्राप्त हो जाते हैं।इस सोच को व्यवहारिक रूप देते हुए पिछले दो वर्षों में इस श्स्वावलंबनश प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लगभग 24000 वृक्ष मानव–निर्मित सघन वनों में लगाए गए हैं, 210 फलों के बगीचे व 110 सब्जियों के बहु–स्तरीय बगीचे तैयार किए गए हैं। जल–संरक्षण के लिए वर्षा जल के प्राकृतिक निकासी नालों में मानवीकृत गड्ढे बनाए गए हैं जिन्हें दोहा कहा जाता है व जिनमें पानी वर्षा के महीनों बाद बचा रहता है। ऐसे 406 दोहे बनाए गए हैं, 11 चौक डैमों व 5 तालाबों की मरम्मत की गई है, 24 गेबियन व चौक डैम बनाए गए हैं, 220 कुंओं का पुनरुद्धार किया गया है। 528 एकड़ भूमि पर मेढ़बंदी व समतलीकरण कार्य पूरा किया गया है। बेहतर सिंचाई के लिए 214 स्प्रिंकलर सेट व 14 सौर ऊर्जा लिफ्ट सिंचाई के सेट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त गांवों में विशेषकर महिलाओं को संगठित कर विकास समितियां व किसान समूह बनाए गए हैं व महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रतिष्ठित किया गया है। इन समितियों में छोटे किसानों व कमजोर वर्गों को अधिक महत्व दिया गया है।इन विभिन्न प्रयासों का सम्मिलित असर यह हुआ है कि अनेक गांवों के प्रतिभाशाली किसानों ने अनुकूल स्थितियों का लाभ उठाते हुए बहुत रचनात्मक संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। सलैया माफ गांव में संतोष कुमार और वीना देवी ने आगे बढ़ कर प्राकृतिक खेती को अपनाया और साथ में अपना खर्च कम करते हुए उत्पादन को बढ़ा कर दिखाया। इसी गांव में श्याम सुंदर तेजी से इसी राह पर बढ़ रहे हैं। बेनीबाई ने बताया कि चौक डैम बनने से अब उस भूमि पर भी खेती हो रही है जो पहले बंजर थी। संजीव कुमार बहुत उत्साह से प्राकृतिक खेती का प्रचार कर रहे हैं। यही स्थिति नगारा डांग व बुधवारा गांवों की भी है। सुगीरा गांव में एक एकड़ भूमि पर सब्जी उगाते हुए अशोक कुशवाहा व हिमलेश देवी ने नई परिस्थितियों में अपनी इस भूमि से होने वाली आय को चार

गुणा तक बढ़ा दिया। अशोक ने यह बताते हुए आंकड़े प्रस्तुत किया। लमौरा गांव में स्वामी प्रसाद व कस्तूरी देवी के खेत में बने बहु–स्तरीय सब्जी के बगीचे को देखने आसपास के कई किसान आ रहे हैं। स्प्रिकंलर खेती व प्राकृतिक खेती के बल पर उनके रचनात्मक प्रयास आगे बढ़ रहे हैं व 8 बीघे में वे फ ल, सब्जी सहित लगभग 50 उत्पाद एक ही वर्ष में उगा रहे हैं। मिश्रित खेती, कीड़ों व बीमारियों को दूर रखने, उचित फसल–चक्र को अपनाने की उनकी गहरी समझ है। उनकी तरह कामता प्रसाद व मुन्नी का खेत भी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र की तरह है। कामता प्रसाद व मुन्नी को तथा उनके संयुक्त परिवार के अन्य सदस्यों को इस परियोजना के अन्तर्गत जंगली जानवरों से रक्षा के लिए मजबूत लोहे की फेनसिंग मिली। इस तरह प्रतिकूल स्थितियों में भी उन्होंने अच्छे उत्पादन की प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाया। लखन लाल व विमला देवी ने अपने खेत पर ही जैविक खाद तैयार की व इसे अन्य किसानों को भी उपलब्ध करवाया।इस तरह जो रचनात्मक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, वे जलवायु बदलाव पर नियंत्रण के संदर्भ में भी सार्थक है। जो किसान अपना खर्च कम कर रहे हैं, मिश्रित खेती अपना रहे हैं, जिनके गांवों में जल व मिट्टी संरक्षण हो रहा है वे सब जलवायु बदलाव के उतार–चढ़ाव का सामना करने में भी अधिक सक्षम हो रहे हैं। इन गांवों में रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं का उपयोग भी कम हो रहा है जिससे फॉसिल फ्यूल यानि जीवाश्म ईंधन का बोझ भी कम हो रहा है। लाडपुर जैसे जिन गांवों में सौर लिफ्ट सिंचाई की व्यवस्था की गई है वहां भी किसानों का खर्च बहुत कम होने व सिंचाई में सुधार के साथ डीजल के रूप में फॉसिल फ्यूल का बोझ कम हुआ है। छोटे किसानों के लिए सस्ते उपकरणों जैसे पावर टिलर उपलब्ध करवाने के केन्द्र खोल गए हैं। पावर टिलर में ट्रैक्टर से कहीं कम डीजल का उपयोग होता है व इस तरह फॉसिल फ्यूल का बोझ और कम होता है। पेड़ों की संख्या बहुत बढ़ने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता सुधरने से भी कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ी है। इस तरह किसानों की आजीविका की रक्षा व जलवायु बदलाव का सामना करने की क्षमता बढ़ाने के कार्य इस प्रोजेक्ट में साथ–साथ आगे बढ़ सके हैं जो उत्साहवर्धक है।

अपहरण मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की तलाश जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने अपहरण से जुड़े एक वांछित अभियुक्त को गुरूवार को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में शाहगंज पुलिस टीम ने प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गुरुवार को कार्रवाई करते हुए अभियुक्त आमिर खान को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसे नायरा पेट्रोल पंप, निजामापुर (शाहगंज) के पास से दबोचा। इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि मामले के वादी दिलशाद (निवासी दंडवारा खुर्द, थाना शाहगंज) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 मार्च 2026 को उनकी नाबालिग बेटी को अरबाज नामक युवक शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर भगा ले गया। इस घटना में गिरफ्तार अभियुक्त आमिर खान, जो अरबाज का भाई है, ने सहयोग किया था। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है तथा मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है। फरार मुख्य आरोपी अरबाज की तलाश के लिए पुलिस टीम सक्रिय रूप से दबिश दे रही है।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जौनपुर में 'रन फॉर एम्पावरमेंट' का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद में 'मिशन शक्ति फेज 5.0' के द्वितीय चरण के अंतर्गत "रन फॉर एम्पावरमेंट" कार्यक्रम का गुरुवार को आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण तथा प्रतिसार निरीक्षक दीनदयाल दीक्षित के मार्गदर्शन में महिला पुलिस बल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह (मिशन शक्ति) के नेतृत्व में महिला थाना प्रभारी श्यामा तिवारी व अन्य महिला पुलिसकर्मियों ने 10 से 15 वर्ष की बालिकाओं के साथ जागरूकता दौड़ का आयोजन किया। यह रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर पॉलिटेक्निक चौराहे तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। रैली के दौरान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता से जुड़े संदेश दिए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में सुरक्षित वातावरण का संदेश देना रहा। साथ ही, संवाद के माध्यम से सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस आयोजन से जनपद में महिला सशक्तिकरण को लेकर सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ और समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

जौनपुर महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, भोजपुरी कलाकारों ने बांधा समां

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जौनपुर महोत्सव का रंगारंग आगाज जारी है। बुधवार को महोत्सव के दूसरे दिन ऐतिहासिक शाही किला परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। देर रात आयोजित गीत–संगीत कार्यक्रम में जनपद के कलाकारों के साथ बाहर से आए कलाकारों ने मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। जौनपुर की माटी के लाल और चर्चित गायक वरदान सिंह विशेष रूप से मुंबई से आकर शामिल हुए और अपनी मधुर आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी

प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। महोत्सव में भोजपुरी फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू और अभिनेत्री डिम्पल सिंह ने भी अपनी प्रस्तुति दी। दोनों कलाकारों ने मंच पर भोजपुरी गीतों पर आकर्षक नृत्य कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अरविंद अकेला ने "ललकी टिकुलिया चांद भइल बा" गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। हालांकि, कुछ दर्शकों ने फूहड़ गीतों पर आपत्ति जताते हुए ऐसे गीतों पर रोक लगाने की मांग भी की। कार्यक्रम के दौरान "नारियल मैन" के नाम से प्रसिद्ध एक युवक ने अपने अनोखे करतबों से सभी को चौंका दिया। उसने सिर, हाथ और कोहनी से नारियल तोड़कर अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसे देख दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। वहीं एक स्टंटमैन ने फिल्मों में दिखाए जाने वाले खतरनाक करतबों का लाइव प्रदर्शन कर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। महोत्सव में बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, एडीएम अजय अंबष्ट सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। महोत्सव का यह दिन उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा।

सपा कार्यालय पर सम्राट अशोक जयंती मनाई गई, विचार गोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में गुरुवार को जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में सम्राट अशोक की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने अपने संबोधन में सम्राट अशोक के शासनकाल (ईसा पूर्व 269–232) को भारतीय इतिहास का स्वर्णिम युग बताते हुए कहा कि उनका शासन अखंडता, सुशासन और जनकल्याण का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि मौर्य वंश के महान शासक सम्राट अशोक ने युद्ध का मार्ग त्यागकर शांति, न्याय और अहिंसा का संदेश दिया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। जयंती समारोह के उपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सम्राट अशोक के आदर्शों को अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। विचार गोष्ठी को सांसद बाबूसिंह कुशवाहा, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजनारायण बिंद, श्रद्धा यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपचंद राम और डॉ. राजीव रत्न मौर्य सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में अर्जक संघ के संस्थापक सदस्य राम आश्चर्य यादव तथा पीडीए समाजवादी परिवार के अन्य दिवंगत सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

चैत्र नवरात्र अष्टमी पर जौनपुर के मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में चैत्र नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गुरुवार को जिले के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस पावन अवसर पर भक्तों ने मां के महागौरी स्वरूप के दर्शन–पूजन कर सुख–समृद्धि की कामना की। विशेष रूप से मां शीतला चौकियां धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर में मां का आकर्षक श्रृंगार लाल, पीली और हरी चुनरी के साथ चमेली, सफेद कमल, अड़हुल और तुलसी की मालाओं से किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। श्रद्धालु "जय माता दी" के जयकारों के साथ पूजा–अर्चना करते दिखे। चौकियां धाम के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि देवी भागवत पुराण के अनुसार मां पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी, इसी कारण उन्हें महागौरी के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि मां महागौरी का संबंध राहु ग्रह से माना जाता है और उनकी पूजा से राहु दोष दूर होता है। सच्चे मन से आराधना करने पर असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। इसी क्रम में शहर के दक्षिणी छोर पर सिटी स्टेशन के पास स्थित मां आदि शक्ति दक्षिणा काली मंदिर में भी दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मंदिर परिसर मां के जयकारों और घंटों की गूंज से भक्तिमय हो उठा। वहीं अष्टमी के अवसर पर मैहर माता मंदिर स्थित मां शारदा शक्ति पीठ में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह की मंगला आरती में शामिल होकर भक्तों ने मां का आशीर्वाद लिया और परिवार की खुशहाली की कामना की। पूरे दिन जिले में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा, जिससे नवरात्र पर्व की आध्यात्मिक छटा और भी निखर उठी।

जौनपुर में दो परियोजनाओं को 279.64 लाख की स्वीकृति, मंदिर विकास व गौशाला निर्माण को मिलेगी रफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के विकास और सांस्कृतिक उत्थान को गति देने के उद्देश्य से नगर विधायक एवं खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए कुल 279.64 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कराई है। इन परियोजनाओं में धार्मिक स्थल के विकास के साथ–साथ निराश्रित पशुओं के संरक्षण की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया गया है। पहली परियोजना के अंतर्गत 'वंदन योजना' के तहत मियापुर स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर के विकास के लिए 113.75 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। गोमती तट पर स्थित यह प्राचीन मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। लंबे समय से स्थानीय लोग मंदिर के जीर्णोद्धार और सुविधाओं के विस्तार की मांग कर रहे थे, जिसे अब स्वीकृति मिलने से जल्द पूरा किया जाएगा। दूसरी प्रमुख परियोजना के तहत 165.89 लाख रुपये की लागत से सदर तहसील के डेरायुसूफ (परगना हवेली) में आधुनिक कान्हा गौशाला का निर्माण किया जाएगा। इस गौशाला में लगभग 500 गौवंशों के रहने के लिए शेड, वेटरनरी क्लिनिक, चारा गोदाम और बायोगैस प्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे निराश्रित पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिलने के साथ ही गौ–संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्वीकृति मिली है, जिससे जौनपुर की धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों परियोजनाओं के जल्द क्रियान्वयन से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को सीधा लाभ पहुंचेगा।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, वारदात का वीडियो आया सामने

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जलालपुर थाना क्षेत्र के सिरकोनी गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात में युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। इस हत्याकांड का एक वीडियो गुरुवार को सामने आया है, जिसमें हमलावर वारदात के बाद युवक को घसीटते हुए ले जाते दिखाई दे रहे हैं। संघईपुर गांव निवासी आशीष चौहान पुत्र अरविंद चौहान बंदीपुर स्थित शराब ठेके के पास मौजूद था। इसी दौरान करीब एक दर्जन युवक वहां पहुंचे और उसे दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए आशीष सिरकोनी गांव की ओर भागा और कई घरों में छिपने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों के डर से कोई उसे शरण नहीं दे सका। आखिरकार हमलावरों ने उसे गुल्लू मौर्य के घर के पीछे बने मड़हे में घेर लिया और उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद हमलावर शव को लगभग एक किलोमीटर दूर बंदीपुर गांव के पास फेंककर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान एक युवक ने खुद को "बाबूराम वकील का लड़का" बताते हुए धमकी भरे लहजे में बातचीत भी की, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष गजानंद चौबे व उपनिरीक्षक सुजीत ओझा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक पहले भी हत्या के एक मामले में आरोपी रहा है और फिलहाल जमानत पर बाहर था। वह इन दिनों अपने ननिहाल मड़ियाहूं में रह रहा था। आशंका जताई जा रही है कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। फिलहाल पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

मुठभेड़ हत्या के दो आरोपी घायल अवस्था में गिरफ्तार, तमंचा–कारतूस व चाकू बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गुरुवार को पुलिस की संयुक्त टीम और हत्या के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने दो अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखे, एक मोटरसाइकिल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है।घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि जलालपुर थाना क्षेत्र के सिरकोनी गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात में हत्या के आरोपी आशीष चौहान की एक दर्जन से अधिक लोगों ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद हमलावर शव को घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बन्दीपुर गांव के पास सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए थे। संघईपुर गांव निवासी आशीष चौहान बन्दीपुर के पास शराब ठेके के समीप मौजूद था, तभी एक समूह ने उसे दौड़ा लिया। जान बचाने के लिए वह सिरकोनी गांव की ओर भागा और कई घरों में छिपने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों के डर से किसी ने उसे शरण नहीं दी। अंततः गांव के एक मड़हे में उसे घेरकर हमलावरों ने ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार आरोपियों धनंजय चौहान, अविनाश चौहान, आदर्श चौहान सभी निवासी संघईपुर और भोले चौहान निवासी हीरापुर की पहचान की गई थी। बुधवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भाऊपुर से त्रिलोचन की ओर जा रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्राम ओईना के पास घेराबंदी की। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दोनों आरोपी घायल हो गए। घायलों की पहचान शिवशंकर चौहान (26) और धनंजय चौहान उर्फ नंदू (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजते हुए मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर जिंगल बेल के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम पर दिनांक 24, 25 एवं 26 मार्च 2026 को जिंगल बेल स्कूल, अयोध्या के कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल विभिन्न परिवहन साधनों की जानकारी को व्यवहारिक रूप से समझाने के उद्देश्य से कराया गया।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हवाई अड्डे के विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन किया तथा हवाई अड्डे की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त किया।भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा सीआईएसएफ के अधिकारियों द्वारा बच्चों को सरल एवं सहज भाषा में हवाई अड्डे के संचालन, विमान के आगमन–प्रस्थान, यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं तथा हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई, ताकि छोटे बच्चे भी इसे आसानी से समझ सकें।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हवाई अड्डे की गतिविधियों को नजदीक से देखा और कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों द्वारा सरल शब्दों में उत्तर दिया गया। बच्चों ने इस अनुभव को अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक बताया।इस दौरान हवाई अड्डा प्रशासन, एएआई एवं सीआईसीएफ के अधिकारियों ने विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों का स्वागत किया। इस शैक्षिक भ्रमण से बच्चों को विमानन क्षेत्र तथा आधुनिक परिवहन प्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हुई, जो उनके अध्ययन और सामान्य ज्ञान के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विमानन क्षेत्र के प्रति जागरूक करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पेट्रोल-डीजल संकट गहराया, आमजन और किसान बेहाल,अधिकारी ने कहा स्थित नियंत्रण में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,26 मार्च यूपी के जौनपुर जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत ने आम लोगों से लेकर किसानों तक की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन का स्टॉक खत्म होने की कगार पर है, जबकि जहां पेट्रोल–डीजल उपलब्ध है, वहां गुरुवार सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्थिति यह है कि दोपहिया, चारपहिया और मालवाहक वाहन चालकों को घंटों इंतजार के बावजूद कई बार बिना ईंधन के लौटना पड़ रहा है। कई पंपों पर सीमित मात्रा में ही ईंधन दिया जा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। पंप संचालकों और कर्मचारियों को भीड़ संभालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संकट का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। रबी फसल की कटाई और सिंचाई के इस महत्वपूर्ण समय में डीजल की कमी से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसान अपने ट्रैक्टर और पंपसेट चलाने के लिए डीजल की तलाश में एक पंप से दूसरे पंप भटक रहे हैं। वहीं, आपात स्थिति में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। गंभीर रूप से बीमार और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचने में भी दिक्कतें सामने आ रही हैं।

पंप संचालकों के अनुसार, आपूर्ति बाधित होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। डिपो पर टैंकर खड़े हैं, लेकिन उन्हें समय पर ईंधन नहीं मिल पा रहा है। जैसे ही कोई टैंकर पंप पर पहुंचता है, कुछ ही घंटों में स्टॉक खत्म हो जाता है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखने की बात कही है, लेकिन फिलहाल आमजन को राहत मिलती नहीं दिख रही है। यदि जल्द आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो संकट और गहरा सकता है।वही इस मामले में जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही ने बताया कि जनपद न गैस और पेट्रोल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं सभी दैनिक उपयोग की वस्तुएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।सिर्फ उसको एक लिमिट में दिया जा रहा है।कही कोई संकट नहीं है घरेलू गैस सिलेंडर 21 दिनों बाद बुकिंग दिया रहा है जो पहले से लागू है।कमर्शियल सिलेंडर पर थोड़ा शिकंजा कसा गया है।जैसे कमर्शियल सिलेंडर को एक एक दिया जा रहा है।

डीजल व पेट्रोल की समस्या को देखते हुए डीएम ने अधिकारियों व पेट्रोल पंप के मालिकों संग बैठक कर दिये आवश्यक निर्देश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पेट्रोल व डीजल की समस्या को लेकर जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फंडे ने इस संबंध में गुरुवार को अपने कैंप कार्यालय में जनपद में डीजल एवं पेट्रोल आपूर्ति के संबंध में अपर जिला अधिकारी (नगर) योगानंद पांडे, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी व जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा के साथ साथ तेल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक किया।बैठक मे उन्होंने कहा कि जनपद में कार्यरत पेट्रोल पम्पों के संचालन का समय प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक किया जायेगा, जो पेट्रोल पम्प पूर्व से 24 घण्टे संचालित हैं वह यथावत् पूर्व की भाँति संचालित समयानुसार रहेंगें।पेट्रोल पम्पों के प्रभावी संचालन हेतु पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मचारी का यह दायित्व होगा कि पेट्रोल/डीजल के निर्गमन के समय उपभोक्ताओं की लाइन लगवाकर उपरोक्त पेट्रोलियम पदार्थों का वितरण

करेंगें।पेट्रोल पम्पों पर जनता को जागरुक करने हेतु पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग किया जायेगा।जिससे जनता को पम्प पर उपलब्ध स्टाक की स्थिति तथा आने वाले ऑयल टैंकरों के सम्बन्ध में जानकारी दी जायेगी, जिससे जनता को जागरुक किया जा सके।पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मचारियों को ये निर्देश दिये जाये कि तेल की कमी के सम्बन्ध में कोई गलत अफवाह जनता में प्रचार–प्रसार न हो सके।यदि उपरोक्त कोई कर्मचारी गलत अफवाह फैलाने का दोषी पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।कहा कि पेट्रोल पम्पों पर बैनर /सूचना पट्ट लगाया जायेगा जिसपर आने वाले तेल टैंकरों की स्थिति प्रदर्शित की जायेगी तथा उपलब्ध स्टाक का स्पष्ट प्रर्दशन किया जायेगा।साथ ही साथ पेट्रोल पम्पों पर टैंकर की अनलोडिंग के समय अनलोडिंग हो रहे डीजल / पेट्रोल का बोर्ड लगाकर ही अनलोड किया जाय।जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प समय से अग्रिम धनराशि का भुगतान ऑयल डिपो पर करेंगें, जिससे उनको ऑयल डिपो से मिलने वाले आगामी ऑयल टैंकरों में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।जनपद के कोई भी पेट्रोल पम्प डिब्बों व ड्रमों में पेट्रोलियम पदार्थों का निर्गमन नहीं करेंगें।जनपद के प्रत्येक पेट्रोल पम्पों पर पुलिस बल की व्यवस्था की जायेगी, जिसका समय–समय पर निरीक्षण सम्बन्धित क्षेत्र के चौकीध थाना प्रभारी द्वारा किया जायेगा, जिससे शान्ति व्यवस्था पम्पों पर बनी रहे। कहा कि इस संबंध में सख्त शीर्षक कड़ाई से अनुपालन किया जाए अगर इस कारण पालन जो भी नहीं करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

'रोजगार मेलों में बेरोजगार युवक–युवतियां में भाग ले और रोजगार प्राप्त करें–रामवीर सिंह'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 9 दिवसीय कार्यक्रम में गुरुवार को जिला सेवायोजन एवं श्रम विभाग की ओर से रोजगार मेले का आयोजन गांधी भवन सभागार में किया गया। मेले में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए जिला सेवा योजन अधिकारी रामवीर सिंह ने कहा कि सेवायोजन कार्यालय द्वारा समय–समय पर रोजगार मेलों का आयोजन कर जनपद के युवक–युवतियों को विभिन्न कंपनियों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजित होने वाले मेलों में शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियां साक्षात्कार में भाग ले और रोजगार प्राप्त करें। मेले में सहायक श्रमायुक्त सत्यवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड में पंजीकृत कामगारों को मातृत्व शिशु एवं बाल मदद, सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन, आवासीय विद्यालय, कन्या विवाह, गम्भीर बीमारी, महात्मा गांधी पेंशन, निर्माण कामगार सहायता एवं पं0 दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना का लाभ दिया जाता है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले सन्निर्माण कामगार विभाग में अपना पंजीकरण कराकर योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। मेले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में पंजीकृत तनिष्क थियेटर ग्रुप, लखनऊ के टीम लीडर अनादि खरे ने अपनी टीम के साथ मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी व सहायक श्रमायुक्त ने रोजगार मेले में चयनित युवक–युवतियों एवं श्रम विभाग के लाभान्वित श्रमिकों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, ईश्वर चन्द्र मिश्रा, धीरज रस्तोगी एवं लाभार्थी आदि उपस्थित रहे।

'बच्चे देश को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभायेगें– असीम अरूण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' विगत दिवस प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर मा0 प्रभारी मंत्री असीम अरूण ने राजकीय पुस्तकालय के उच्चीकरण का फीताकाट कर लोकापर्ण किया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने बच्चों को डायरी व पेन प्रदान किये तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे देश को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभायेगें। इस अवसर जिलाधिकारी अनुनय झा ने मा0 मंत्री जी को पुस्तकालय के संचालन की विस्तार से जानकारी दी। लोकापर्ण के समय भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

'पति का फोन पत्नी ने नही किया रिसीव तो पति ने की पत्नी की पिटाई हुई मौत'

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर ।धनपतगंज थानाक्षेत्र के सेवरा ग्राम सभा में घरेलू विवाद के चलते पति द्वारा पत्नी की पीट–पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया हैं घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई हैं पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी हैं जानकारी के अनुसार ग्राम चरथई मजरे सेवरा निवासी नकछेद कोरी ने अपनी पत्नी को फोन किया था लेकिन पत्नी द्वारा फोन रिसीव न करने से नाराज होकर उसने घर पहुंचकर पत्नी की डंडों से जमकर पिटाई कर दी बताया जा रहा हैं कि मंगलवार सुबह भी आरोपी ने पत्नी को पीटा जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई सूचना पर पहुंची धनपतगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया हैं थानाध्यक्ष अंजू मिश्रा ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही हैं उक्त घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी बाल्दी राय आशुतोष कुमार द्वारा दी गई जानकारी।

जनपद स्तरीय पाक–कला प्रतियोगिता मे रसोइया हुई सम्मानित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।निर्माण (पी०एम० पोषण) के तहत जनपद स्तरीय पाक–कला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में समस्त विकासखण्डों के 30 रसोइयों द्वारा प्रतिभाग किया गया।प्रतियोगिता में मेन्यू के रूप में तहरी का चयन किया गया था,जिसमे समस्त रसोइयों को स्वच्छता, सुरक्षा, पोष्टिक तत्व, भोजन का स्वाद, पकाने का तरीका, सभ्य व्यवहार, एप्रेन व हेड कवर आदि मानकों के आधार पर निर्णायक समिति के सदस्य जिला विद्यालय निरीक्षक डाक्टर पवन कुमार तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र ,खाद्य सुरक्षा अधिकारी, प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कालेज, प्रवक्ता गृह विज्ञान राजकीय बालिका इण्टर कालेज, हेड शेफ होटल शाने अवध द्वारा उपरोक्त मानकों के आधार पर चयन किया गया।जिसमें प्रथम स्थान कम्पोजिट विद्यालय लालबाग, नगर क्षेत्र की रसोइया सोनी, द्वितीय स्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय मलखानपुर विकासखण्डू मया की रसोइया रीता पाण्डेय तथा तृतीय स्थान कम्पोजिट विद्यालय मुमताजनगर, विकासखण्ड मसौधा की रसोइया रीमा को प्राप्त हुआ। प्रथम पुरस्कार विजेता को रू0 3500.00 की धनराशि व प्रमाण–पत्र, द्वितीय रसोइया को रू0 2500.00 व प्रमाण–पत्र, तृतीय रसोइया को रू0 1500.00 व प्रमाण–पत्र दिया गया।अन्स प्रतिभागी रसोइयों को रू0 300.00 सान्तवना पुरस्कार व रू0 300.00 यात्रा भत्ता दिया गया।।

उपजिलाधिकारी ने किया पेट्रोल पंप का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर वृहस्पतिवार को तहसील क्षेत्र में स्थित उपजिलाधिकारी बल्दीराय ने पेट्रोल पम्पों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंपों पर डीजल व पेट्रोल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।एसडीएम बल्दीराय प्रवीण कुमार ने सुंदरा देवी पेट्रोल पंप नन्दौली व कलावती किसान सेवा केंद्र लोहरिया का निरीक्षण किया। एसडीएम प्रवीण कुमार ने

आमजन से अपील की है कि पेट्रोल–डीजल की आपूर्ति पर्याप्त है, इसलिए अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता अनुसार ही ईंधन खरीदें,जिससे आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी रहे। किसी प्रकार की समस्या होने पर जिला पूर्ति कार्यालय के कंट्रोल रूम नंबर 9120098526, 7800900041 व 9696282871 पर संपर्क कर सकते हैं।

मोबाइल के बढ़ते उपयोग से बढ़ रही दूरियां, "अंतर पीढ़ीगत जुड़ाव" कार्यक्रम में जागरूकता पर जोर

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर–बल्दीराय तहसील क्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं समाज कल्याण विभाग सुल्तानपुर द्वारा संचालित मानव उत्थान समिति लखनऊ के तत्वावधान में "अंतर पीढ़ीगत जुड़ाव" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से परिवार और समाज में बढ़ती दूरियों को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता व राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष मेराज अहमद ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल की लत में इस कदर डूबती जा रही है कि वह अपने परिवार और समाज से कटती जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में सामाजिक रिश्तों पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। वहीं समाज सेविका व एफपीओ की डायरेक्टर

सुधा सिंह ने बताया कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के मोबाइल उपयोग पर नियंत्रण रखें और उन्हें खेलकूद व रचनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करें। हॉली विजन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर इंजीनियर निहाल अहमद ने कहा कि मोबाइल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसकी अधिकता छात्रों के ध्यान और पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव डालती है। उन्होंने विद्यार्थियों को संतुलित उपयोग और अनुशासन अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम बल्दीराय ब्लॉक के अरवल, गौरा–बरामऊ, सैनी, अशरफपुर, बिरधौरा और आलियाबाद में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने मोबाइल के सीमित उपयोग और पारिवारिक जुड़ाव को बढ़ाने का संकल्प लिया।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने एसआई प्रिया के साथ महिलाओ को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। चौत्र नौवरात्रि के अष्टमी को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक प्रिया व अन्य महिला पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय, जिला पुरुष चिकित्सालय चौक रोडवेज सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें।इस मौके पर उनके अलावा पीआरडी किरण,गायत्री, माधुरी सहित अन्य महिला थाना परिसर मे तैनात पुलिस कर्मी मौजूद रही।

राम पथ रेलिंग पर सियासत तेज- विरोध की आड़ में समर्थन का आरोप

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या की राम पथ सड़क इन दिनों विकास से ज्यादा "रेलिंग राजनीति" का केंद्र बनी हुई है।मामला बड़ा दिलचस्प हैकृ पर्दे के सामने विरोध और पर्दे के पीछे समर्थन का ऐसा संतुलन शायद ही कहीं देखने को मिले। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि 23 मार्च शाम को राम होटल श्याम रेस्टोरेंट के बंद कमरे में विधायक ने बड़े ही शांत भाव से रेलिंग लगाने की सहमति दे दी। सूत्रों के अनुसार व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्ता और नंदलाल गुप्ता के विरोध पर विधायक ने जमकर फटकार लगाई और अध्यक्ष और महामंत्री ने रेलिंग की सहमति पर्दे के पीछे से दे दी बैठक के बाद जब विधायक बाहर निकले तो चेहरे पर जनता की चिंता और शब्दों में विरोध की मिठास घुली हुई थी। अब इसे राजनीति की कला कहें या "दोहरी भूमिका का राष्ट्रीय पुरस्कार" योग्य प्रदर्शन, यह जनता तय करे।अयोध्या उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अयोध्या के एक परिवार और विधायक की धुरी तक सीमित रह गई है। व्यापार मंडल की बैठक में भी कमाल का दृश्य रहा। अधिकारी और विधायक मिलकर रेलिंग के प्रस्ताव को व्यापारियो के बीच पास करा लिए।मजेदार सवाल यह है कि जब व्यापार मंडल ने पहले ही रेलिंग का विरोध किया था और विधायक ने जिंदाबाद के बीच उसे रुकवाने का श्रेय भी लिया था, तो अब वही रेलिंग लगने पर सन्नाटा क्यों है? क्या विरोध भी "ऑन–ऑफ स्विच" पर चल रहा है?बैठक में बालकृष्ण वैश्य,अचल कुमार गुप्ता, अनूप कुमार गुप्ता, विनोद श्रीवास्तव,नंदलाल गुप्ता, पंकज कुमार गुप्ता और श्याम सुंदर कसेरा समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सबने मिलकर ऐसा माहौल बनाया कि रेलिंग अब सिर्फ लोहे की नहीं, बल्कि राजनीति की भी बन गई है।अब देखना यह है कि यह रेलिंग सड़क पर ज्यादा टिकती है या बयानबाजी में! और 2027 आते–आते ये गुस्सा वोट में बदलेगा या फिर आखध्रिी समय में किसी नई डील पर ठंडा पड़ जाएगाकृ यही असली सस्पेंस है। राजनीति में याददाश्त और मुनाफा, दोनों का हिसाब बड़ा दिलचस्प होता है।

बाहर खड़ी बाइक और स्कॉर्पियो में लगाई आग– धुएं और दुर्गंध से खुली नींद

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर थाना क्षेत्र के पादरी बाजार में सोमवार देर रात शरारती तत्वों ने एक व्यापारी की बाइक और स्कॉर्पियो में आग लगा दी। धुआं और जलने की तेज दुर्गंध से व्यापारी की नींद खुली। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। व्यापारी ने जानबूझकर आग लगाने का आरोप लगाते हुए पादरी बाजार पुलिस चौकी पर प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, पादरी बाजार निवासी व्यापारी मनोज जायसवाल की पुलिस चौकी के पास किराना की दुकान है। उनका मकान जहां साप्ताहिक बाजार लगता है, वहां स्थित है। सोमवार रात करीब 1रू30 बजे घर के बाहर खड़ी बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास खड़ी स्कॉर्पियो को भी अपनी चपेट में ले लिया और दोनों वाहन धू–धू कर जलने लगे। धुआं और जलने की तेज गंध से व्यापारी की नींद खुल गई।

विधिवत प्रसार एवं अभिमुखीकरण संबंधी कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या में आयोजित परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के विधिवत प्रसार एवं अभिमुखीकरण संबंधी कार्यशाला का शुभारंभ डायट प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रभारी मनोज कुमार, डायट प्रवक्ता ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मां सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुआ।इस कार्यक्रम मे परख यानी बच्चों के समग्र विकास के लिए बच्चों के ज्ञान का प्रदर्शन , आकलन, समीक्षा और विश्लेषण परफॉर्मेंस रिव्यू एसेसमेंट एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट करना बताया गया।इस कार्यशाला में सभी परख की परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले 120 विद्यालयों के शिक्षकों जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग के एवं माध्यमिक के विद्यालय, सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।इस परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 की कार्यशाला का उद्देश्य सभी शिक्षकों को परख डैशबोर्ड का उपयोग करते हुए डाटा को समझने में सक्षम बनाने का रहा।सभी शिक्षक दक्षताओं एवं सीखने के परिणाम का विश्लेषण कर अधिगम अंतराल के पहचान की क्षमता का विकास कर सके इस हेतु ही इस कार्यशाला का आयोजन किया गया।परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अंतर्गत कक्षा 3 कक्षा 6 और कक्षा 9 के विद्यार्थियों का दक्षता आधारित आकलन किया जाता है।एनसीईआरटी भारत सरकार की एक यूनिट के रूप में परख इकाई काम करती है।इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आलोक कुमार सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 पर विस्तार से चर्चा की ।इस प्रशिक्षण में संदर्भ दाता के रूप में डायट प्रवक्ता श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, डायट प्रवक्ता प्रतिमा चतुर्वेदी, डायट प्रवक्ता राम चंद्र यादव जनपद के एस आर जी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी, एसआरजी मनीष रस्तोगी, एसआरजी अमित कुमार मिश्रा और रिसोर्स पर्सन डॉ योगेंद्र नाथ पांडेय , डॉ विवेक कुमार सिंह, सुजीत सिंह और ऋचा उपाध्याय ने सभी माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ साथ जनपद के सभी विकास खण्ड के ए आर पी को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया।

'शॉर्ट सर्किट से लगी आग,दो कच्चे घरों की गृहस्थी जलकर राख'

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर।बल्दीराय तहसील क्षेत्र के निसासिन गांव में गुरुवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो कच्चे घरों की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई।आग की घटना में पशुधन,अनाज और वाहन सहित लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।निसासिन गांव निवासी मुन्तजीम अहमद और मुतीन अहमद के कच्चे मकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य सामान जलने लगा।आग की लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आगजनी की इस घटना में मुन्तजीम अहमद की 12 बकरियां, एक बाइक, तीन साइकिल तथा कई कुंतल अनाज जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है।ग्रामीणों ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल, एसडीएम और तहसीलदार को दे दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।